भारत सरकार
पंचायती राज मंत्रालय
लोक सभा
तारांकित प्रश्न संख्या *113
दिनांक 03.12.2024 को उत्तरार्थ

ग्राम मानचित्र एप्लिकेशन

***113. श्री शशांक मणि:**

क्या पंचायती राज मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(1) क्या सरकार ने ग्राम मानचित्र एप्लिकेशन के प्रमुख उद्देश्यों और पहलों तथा विशेष रूप से उत्तर प्रदेश में ग्रामीण शासन में स्थानिक आयोजना और पारदर्शिता पर इसके प्रभाव की रूपरेखा तैयार की है, यदि हां, तो विशेष रूप से उत्तर प्रदेश सहित राज्य-वार/ जिला-वार तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(2) क्या ग्राम मानचित्र संबंधी पहल से आपदा प्रबंधन आयोजना और प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन स्थानीय शासन में सम्मिलित हो जाते हैं और यदि हां, तो प्राप्त परिणामों सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(3) इस डिजिटल सुविधा तक लोगों की पहुंच बढ़ाने और ग्रामीण क्षेत्रों में इसकी प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

पंचायती राज मंत्री

(श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह)

(क) जी, हां। मंत्रालय ने लोगों में ग्राम पंचायतों में निर्मित परिसंपत्तियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने तथा निधियों के उपयोग की योजना बनाने के लिए इस पोर्टल को शुरू किया है। ग्राम मानचित्र एप्लीकेशन के मुख्य उद्देश्य/पहल इस प्रकार हैं:

1) ग्राम पंचायत विकास योजना के लिए एक विज़ुअलाइज़ेशन प्लेटफ़ॉर्म प्रदान करना।
2) भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी का उपयोग करके ग्राम पंचायतों (जीपी) के बीच स्थानिक योजना को बढ़ावा देना: अनुबंध में दिए गए विवरण के अनुसार 32 अन्य योजनाओं के अलावा, उत्तर प्रदेश के लखनऊ और गौतम बुद्ध नगर जिलों में क्रमशः बक्कास और कलौंदा ग्राम पंचायतों (जीपी) के लिए पायलट आधार पर स्थानिक विकास योजनाएँ तैयार की गई हैं।
3) ग्राम पंचायत विकास योजनाओं (जीपीडीपी) के निर्माण में सहायता: यह एप्लिकेशन अत्यंत कुशल तरीके से परिसंपत्ति स्थलों का पता लगाने के संबंध में निर्णय लेने के लिए सुविधा/टूल प्रदान करके जीपीडीपी के निर्माण और निष्पादन में सहायता करता है।
4) पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाना: परिसंपत्तियों की जियो-टैगिंग जानकारी को एकीकृत करके, ग्राम मानचित्र विकास कार्य के स्थान को दर्शाता है।

5) स्वामित्व योजना के अंतर्गत निर्मित 1:500 स्केल, 5 सेमी सटीकता वाले मानचित्रों का एकीकरण: ये मानचित्र उत्तर प्रदेश के सभी गांवों के आबादी क्षेत्रों के लिए उपलब्ध हैं।

(ख) ग्राम मानचित्र का उपयोग करके स्थानीय शासन में आपदा प्रबंधन योजना और प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन के एकीकरण से संबंधित ब्यौरा इस प्रकार है: -

1) इस एप्लीकेशन में सड़क, पुलिस स्टेशन, अस्पताल, स्कूल जैसी विभिन्न परिसंपत्तियों को एकीकृत किया गया है। इससे ग्राम पंचायत (जीपी) में आपात स्थितियों के लिए योजना बनाने और तैयारियों में मदद मिलती है, जिससे प्राकृतिक आपदाओं से होने वाली क्षति की रोकथाम और न्यूनीकरण होता है।
2) भारतीय मौसम विभाग (IMD) के साथ एकीकरण के जरिए, ग्राम पंचायतों (GPs) के लिए मौसम पूर्वानुमान सभी के लिए उपलब्ध हैं, जो आने वाली आपदाओं से सावधान करते हैं। 24 अक्टूबर 2024 को शुरू की गई यह कार्यक्षमता पहली बार ग्राम पंचायतों हेतु 5 दिनों के लिए मौसम पूर्वानुमान प्रदान करती है। इसलिए तापमान, वर्षा, आर्द्रता, हवा की गति, हवा की दिशा और बादल छाने के बारे में पूर्वानुमान उपलब्ध हैं और हर घंटे अपडेट किए जाते हैं।

ग) इस डिजिटल सुविधा तक जनता की पहुंच बढ़ाने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में इसकी प्रभावशीलता में सुधार लाने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का विवरण इस प्रकार है: -

1) यह एप्लीकेशन सभी के लिए समान रूप से उपलब्ध है।
2) राष्ट्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज संस्थान के माध्यम से पंचायत कर्मियों के बीच मास्टर प्रशिक्षको का प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण किया जाता है।
3) एक ऐसा टूल तैयार किया गया है जो ग्रामीण आबादी वाले क्षेत्रों में घरों की छतों पर सौर ऊर्जा लगाने की क्षमता का मूल्यांकन कर सकता है। यह व्यक्तियों और पंचायतों के लिए बहुत उपयोगी है।

अनुबंध

उन 34 पायलट ग्राम पंचायतों की सूची जिनके लिए स्थानिक योजनाएं तैयार की गई

क्र.सं.	राज्य	ज़िला	ब्लॉक का नाम	जीपी का नाम	साझेदार संस्थान का नाम
1	**झारखंड**	रांची	कांके	**निओरी**	बीआईटी, मेसरा , रांची
2		बोकारो	चास	**कांदरा**	
3	**हरियाणा**	अंबाला	शहजादपुर	**पथरेहरी**	चंडीगढ़ कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर, चंडीगढ़
4		अंबाला	बरारा	**मुलाना**	
5	**महाराष्ट्र**	पुणे	जुन्नर	**राजुरी**	भारती विद्यापीठ कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर, पुणे
6		पुणे	जुन्नर	**बेल्हे**	
7		नागपुर	रामटेक	**मनसार**	एनआईटी, नागपुर
8		नागपुर	कमलेश्वर	**गोंडखैरी**	
9		अहमदनगर	राहुरी	**गुहा**	सर जेजे कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर, मुंबई
10		कोल्हापुर	पन्हाला	**बोरवाडे**	
11	**असम**	कामरूप	सुआलकुची	**बोंगशर**	आईआईटी गुवाहाटी
12		कामरूप	बेज़ेरा	**सरायघाट**	
13	**उत्तराखंड**	हरिद्वार	रुड़की	**बेलाडा**	आईआईटी रुड़की
14		देहरादून	सहसपुर	**छरबा**	
15	**मध्य प्रदेश**	विदिशा	लातेरी	**मुर्वास**	स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (एसपीए), भोपाल
16		सिहोरी	सिहोर	**बिलकिसगंज**	
17	**छत्तीसगढ़**	दुर्ग	पाटन	**झीट**	एनआईटी, रायपुर (वास्तुकला विभाग)
18		सरगुजा	उदयपुर	**उदयपुर**	
19	**आंध्र प्रदेश**	कृष्ण	उंगुटुरु	**तेलाप्रोलु**	स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर, विजयवाड़ा
20		कृष्ण	कांचीकचेरिया	**परितला**	
21	**तमिलनाडु**	तिरुचिरापल्ली	मणिकंदम	**नावालूर कोट्टापट्टू**	एनआईटी, त्रिची (वास्तुकला

क्र.सं.	राज्य	ज़िला	ब्लॉक का नाम	जीपी का नाम	साझेदार संस्थान का नाम
22		तिरुचिरापल्ली	तिरुवेरम्बुर	**गुंडूर**	
23		तिरुवलुवर	विलिवक्कम	**मोराई**	स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, अन्ना यूनिवर्सिटी, चेन्नई
24		तिरुवलुवर	पुनामल्लाई	**चेम्बरबक्कम**	
25	**गुजरात**	आनंद	तारापुर	**तारापुर**	सीईपीटी यूनिवर्सिटी अहमदाबाद
26		मेहसाणा	कादी	**नंदासन**	
27	**उत्तर प्रदेश**	लखनऊ	गोसाईगंज	**बक्कास**	डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय, लखनऊ
28		गौतम बुद्ध नगर	दादरी	**कलोंडा**	एपीजे स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, ग्रेटर नोएडा, यूपी
29	**कर्नाटक**	उडुपी	कुन्दपुरा	**शंकरनारायण**	मणिपाल स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, एमएएचई, मणिपाल
30		उडुपी	ब्यंडुरू	**उप्पुंडा**	
31	**ओडिशा**	खोरधा	बलियंटा	**प्रतापसासन**	योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, कलिंग औद्योगिक प्रौद्योगिकी संस्थान, भुवनेश्वर
32		कटक	नरसिंहपुर	**नुआपटना**	
33	**पश्चिम बंगाल**	झारग्राम	झारग्राम	**अगुइबानी**	आईआईटी, खड़गपुर
34		पश्चिम मदनीपुर	नारायणगढ़	**मोकरमपुर**	